बिजली की बचत देशहित में : शेखर

कुकिंग गैस के विकल्प के रूप में उभर रहा इंडक्शन चूल्हा, 67 फीसदी तक बचत

संजय पेड़ा, सिलीगुड़ी

उद्योग ही नहीं देश के विकास के लिए भी बिजली की महत्वपूर्ण भूमिका है। अगर हम बिजली का उत्पादन बढ़ा नहीं पा रहे हैं तो इसकी बचत तो कर ही सकते हैं। हमारे सारे उत्पाद निर्माण के दौरान अब इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि इसमें बिजली की खपत कम से कम हो। ये बातें देश के शीर्षस्थ उद्योगपतियों में एक शेखर बजाज ने कही। श्री बजाज, बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर हैं। हाल ही में एक महत्वपूर्ण मीटिंग के लिए गंगटोक आये श्री बजाज ने सिलीगुड़ी में प्रभात वार्ता से बातचीत की। उन्होंने उत्तर बंगाल में इंडस्ट्री के विकास एवं बजाज इलेक्ट्रीकल्स के विस्तार योजनाओं के बारे में खुलकर बात की। पेश है बातचीत के अंश :

इन दिनों देश भर में कुकिंग गैस को लेकर असमंजस की स्थिति है। क्या बिजली से चलने वाले इंडक्सन चूल्हों से इसका कोई समाधान हो सकता है ?

हो सकता है नहीं बल्कि हो रहा है। अब जबकि सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या सीमित कर दी जा रही है और बिना सब्सिडी वाले सिलिंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है वैसी स्थिति में इंडक्सन चूल्हे बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ गए हैं। बिना सब्सिडी वाले सिलिंडर की तुलना में इंडक्सन चूल्हे 67 फीसदी तक ऊर्जा की बचत कर रहे हैं। दूसरा फायदा यह है कि गैस की तुलना में आधे समय में आपकी कुकिंग पूरी हो रही है।

कुकिंग गैस की वर्तमान स्थिति में आपकी कंपनी के इंडक्सन चूल्हे की बिक्री में क्या असर है और इसके उत्पाद को लेकर आगामी क्या योजनाएं हैं ?

रसोई गैस की वर्तमान स्थिति एवं आम लोगों द्वारा इसके विकल्प की तलाश का फायदा हमारी कंपनी के इंडक्सन

शेखर बजाज

- एलईडी बल्ब पर सरकार को देनी चाहिए सब्सिडी
- उत्तर बंगाल के गांव-गांव तक पहुंचेगा बजाज

चूल्हे व कुकर को मिला है। बीते अक्टूबर माह में 14 करोड़ रुपये के एक लाख 10 हजार इंडक्सन चूल्हे हमने बेचे हैं। इंडक्सन चूल्हों के लिए हमारी कंपनी अब तक विदेशों से इसके पार्ट्स मंगाती थी लेकिन अब इसकी बढ़ती मांग को देखते हुए देश में ही इसके प्लांट लगाने पर कंपनी विचार कर रही है।

उत्तर बंगाल में आपकी कंपनी की क्या कोई निवेश योजना है ?

व्यापारी मक्खी की तरह हैं। अगर लाभ रूपी गुड़ दिखेगा को जरूर निवेश करेंगे। अगर उत्तर बंगाल में भी हिमांचल व उत्तरांचल की तर्ज पर राज्य सरकार एक्साइज आदि करों में छूट देती है तो यहां की भौगोलिक स्थिति व लेबर की उपलब्धता उद्योगों के हित में होगी।

विद्युत संरक्षण के लिए आम आदमी व सरकार को क्या करना चाहिए ? आपकी क्या राय है ?

बिजली बचाना, बिजली बढ़ाने के बराबर है। जैसे अभी आम आदमी सीएफएल बल्ब का उपयोग कर रहा है इसमें बिजली की बचत पहले ही तुलना में हो रही है। लेकिन अब एलईडी बल्ब और भी कम बिजली खर्च करने वाले उत्पाद से रूप में उभर रहे हैं। लेकिन ये सीएफएल की तुलना में काफी महंगे हैं। सरकार अगर इन पर छूट अथवा सब्सिडी देती है तो बिजली बचत के क्षेत्र में क्रांति आ सकती है।

उत्तर बंगाल एवं सिक्किम में आपकी नई व्यापारिक नीति क्या है ?

हम अपने आधुनिक उत्पादों को यहां के शहरों के अलावा दूर-दराज के गांवों तक ले जा रहे हैं। इसी के तहत हमारी कंपनी अपने नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है। गांवों में भी आधुनिक उत्पादों की अच्छी मांग है लेकिन हमें वहां तक पहुंचना होगा। फिलहाल देश भर में हमारे 5 लाख आउटलेट हैं। 75 हजार पंखों के तथा 55 हजार एम्पलाइंसेस के आउटलेट कार्यरत हैं। इन्हें गांवों तक विस्तार देना फिलहाल हमारी प्राथमिकता है।